हमको कन्हैया एक तेरा ही आधार है

तर्ज – सौ साल पहले

हमको कन्हैया एक,
तेरा ही आधार है,
तेरा ही आधार है,
आज भी है और,
कल भी रहेगा,
हमको कन्हैया एक।।

ऐ खाटू वाले श्याम,
भरोसा तेरा भारी है,
तेरे ही दम पे ये,
जिंदगानी हमारी है,
मेरा परिवार पूरा,
तेरा कर्जदार है,
तेरा कर्जदार है,
आज भी है और,
कल भी रहेगा,
हमको कन्हेया एक,
तेरा ही आधार है,
आज भी है और,
कल भी रहेगा।।

जो कुछ भी मेरे पास,
तेरी रहमत का जलवा है,
तेरी कृपा से श्याम मेरा,
सब संकट टलता है,
मेरे संग संग रहता,
मेरा मददगार है,
मेरा मददगार है,
आज भी है और,
कल भी रहेगा,
हमको कन्हेया एक,
तेरा ही आधार है,
आज भी है और,
कल भी रहेगा।।

तेरे एहसानो को श्याम,
बोलो कैसे चुकाऊंगा,
जब तक है सांसे मेरी,
मैं तुमको भूल ना पाउँगा,
‘श्याम’ की नैया का बस,

तू ही खिवनहार है,
तू ही खिवनहार है,
आज भी है और,
कल भी रहेगा,
हमको कन्हेया एक,
तेरा ही आधार है,
आज भी है और,
कल भी रहेगा.........

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24413/title/humko-kanhayia-ek-tera-hee-aadhar-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |